**अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल**

**तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019** **दिनांक : 17-12-2019**

**समय : 3 घंटा** **पांचवां वर्ष-प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

**संजया-25**

प्र. 1 कोई पांच द्वार लिखें- 10

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र-अंतर द्वार

(ख) यथाख्यात-प्रवज्या द्वार

(ग) छेदोपस्थापनीय चारित्र-आकर्ष द्वार

(घ) सूक्ष्म संपराय-काल द्वार

(ङ) सामायिक चारित्र-गति-स्थिति-पदवी

(च) छेदोपस्थापनीय चारित्र-स्थिति द्वार

(छ) सामायिक चारित्र-परिणाम द्वार

प्र. 2 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें- 6

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र वाले का संहरण क्यों नहीं होता है?

(ख) मध्यवर्ती बाईस तीर्थंकरों के शासन में अनिवार्य कल्प कौन से हैं? नाम लिखें।

(ग) यथाख्यात चारित्र किस अपेक्षा से शाश्वत है?

(घ) सामायिक चारित्र वाले नो संज्ञोपयुक्त किस अपेक्षा से है?

(ङ) परिहार विशुद्धि चारित्र वालों के जघन्य उत्कृष्ट कितने भव बताए गए हैं?

(च) यथाख्यात चारित्र में परम शुक्ल लेश्या किस अपेक्षा से है?

(छ) यथाख्यात चारित्र वालों का ज्ञान द्वार लिखें।

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें- 9

(क) सामायिक चारित्र का आकर्ष द्वार लिखते हुए बताऐं कि एक भव व अनेक भव की अपेक्षा से कितनी बार व किस अपेक्षा से चारित्र का ग्रहण हो सकता है?

(ख) छेदोपस्थापनीय चारित्र का अंतर द्वार लिखते हुए बताऐं कि अनेक जीवों की अपेक्षा जघन्य एवं उत्कृष्ट अंतर किस अपेक्षा से है?

(ग) यथाख्यात चारित्र का परिणाम द्वार लिखते हुए बताएं कि जघन्य व उत्कृष्ट परिणाम किस अपेक्षा से है?

(घ) सामायिक चारित्र-कर्म उदीरणा द्वार लिखते हुए बताएं कि कर्म उदीरणा क्या है व अलग-अलग कर्मों की उदीरणा के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं?

## नियंठा–25

प्र. 1 किन्हीं सात प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 7

(क) यथासूक्ष्म बकुश कौन सा दोष लगा सकता है?

(ख) अतीर्थी में कौन से जीव आते हैं?

(ग) बकुश निर्ग्रंथ से आप क्या समझते हैं?

(घ) एक व्यक्ति में ज्यादा से ज्यादा कितने शरीर हो सकते हैं?

(ङ) कौन से निर्ग्रंथों का उनकी वर्तमान स्थिति में संहरण नहीं हो सकता है?

(च) लब्धि की स्थिति में कौन सा निर्ग्रंथ काल नहीं कर सकता है?

(छ) दो कर्मों की उदीरणा किन गुणस्थानों में होती है?

(ज) ज्ञान द्वार–पुलाक का ज्ञान व अध्ययन कितना होता है?

(झ) प्रतिसेवना में कितने चारित्र हो सकते हैं?

प्र. 5 कोई छह द्वार लिखें– 18

(क) बकुश–काल द्वार

(ख) पुलाक–गति–स्थिति–पदवी

(ग) निर्ग्रंथ–अंतर द्वार

(घ) पुलाक–आकर्ष द्वार

(ङ) कषाय कुशील–प्रवज्या द्वार

(च) बकुश–सन्निकर्ष

(छ) बकुश–परिणाम-स्थिति

(ज) कषाय कुशील–कर्म उदीरणा।

## गीतिका–नियंठा दिग्दर्शन–10

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 2

(क) किस गुणस्थान वाला कौन सा मुनि डंडों से सेना को भगा देता है व वह किस चीज का प्रतिसेवन करता है।

(ख) भगवान ने ज्ञाता सूत्र के दसवें अध्ययन में किसकी तरह अपने साधु-साध्वियों को बताया है?

(ग) मासिक-चौमासिक प्रायश्चित्त के पाठ किस सूत्र में मिलते हैं तथा जीव किस प्रकार आराधक व विराधक बन जाता है?

प्र. 7 कोई दो पद्य भावार्थ सहित लिखें– 8

(क) अथवा.....नेण अवलोय।

(ख) सांभल.....काली जोय।

(ग) हय रूप.....जोय।

(घ) खेत धान.....उफणोय।

## पूर्व कंठस्थ ज्ञान–40

प्र. 8 सभी प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) **पच्चीस बोल**–8 से 15 संवर के भेद ***अथवा*** 8 से 15 आश्रव के भेद। 2

(ख) **चतुर्भंगी**–सतरहवां बोल ***अथवा*** संवर के भेद। 3

(ग) **पच्चीस बोल की चर्चा**–जीव के सात भेद से बारह तक ***अथवा*** आठ योग से लेकर तेरह योग तक। 3

(घ) **तत्त्व चर्चा**–धर्म पर चर्चा अथवा छह द्रव्यों में सावद्य-निरवद्य। 3

(ङ) **कर्म प्रकृति**–प्रत्येक प्रकृति किसे कहते हैं उसकी अंतिम तीन प्रकृतियों का वर्णन करें ***अथवा*** प्रकृति बंध की व्याख्या करें। 3

(च) **जैन तत्त्व प्रवेश**–(प्रथम खण्ड) भेद द्वार ***अथवा*** दृष्टांत द्वार–जीव अजीव की व्याख्या। 3

(छ) **प्रतिक्रमण**–प्रतिक्रमण प्रतिज्ञा ***अथवा*** छट्ठा प्रत्याख्यान आवश्यक। 3

(ज) **जैन तत्त्व प्रवेश**–(द्वितीय व तृतीय खण्ड) श्रावक गुण द्वार ***अथवा*** व्रताव्रत द्वार–अनगार धर्म पालने .....से प्रारंभ कर साध नै श्रावक दोहे को पूरा करें। 4

(झ) **इक्कीस द्वार**–विभंग ज्ञानी ***अथवा*** असंज्ञी का पूरा बोल। 4

(ञ) **बावन बोल**–उदय के तैतीस बोल में कौन-कौन आत्मा? ***अथवा*** संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा? 3

(ट) **लघु दण्डक**–संहनन द्वार ***अथवा*** दर्शन द्वार–सात नारकी से प्रारंभ कर अंत तक लिखें। 3

(ठ) **पांच ज्ञान**–हेतु उपदेश ***अथवा*** मल्लक दृष्टांत। 3

(ड) **लघु दण्डक**–जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा? ***अथवा*** चौबीस दण्डकों में लेश्या कितनी? 3